पुणे विश्वविद्यालय, पुणे की पीएच. डी. (हिंदी) के पंजीकरण हेतु

शोध प्रबंध की रुपरेखा

“ नरेश मेहता का गद्य साहित्य : एक अनुशीलन”

शोध छात्र

संतोष तानाजी धोत्रे

हिंदी विभाग,फर्ग्युसन महाविद्यालय,

पुणे – 411004

शोध निर्देशक

डॉ. रजनी रणपिसे

"नरेश मेहता का गद्य साहित्य : एक अनुशीलन"

नरेश मेहता बहुमुखी प्रतिभा के साहित्यकार हैं। अपनी साहित्यिक जीवन यात्रा में कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, यात्रा वर्णन आदि विधाओं का सृजन किया है। उनका साहित्य हिंदी के लिए बहुत बड़ी देन है।

विषय की प्रेरणा

नरेश मेहता के साहित्य पर अनुसंधान कार्य करने की प्रेरणा मुझे तब मिली, जब उनके द्वारा लिखित 'उत्तरकथा' उपन्यास का प्रथम खंड पढ़ने में आया। नरेश मेहता हिंदी साहित्य में कवि रूप में बहुत चर्चित रहे हैं। लेकिन गद्य लेखक के रूप में उतने प्रसिद्ध नहीं हो पाए हैं। नरेश मेहता का काव्य श्रेष्ठ होने के कारण उनके गद्य साहित्य की ओर ध्यान नहीं गया। मुझे लगता है कि नरेश मेहता कवि के साथ–साथ गद्य लेखक के रूप में भी उतने ही महान है। अतः मैंने निर्णय किया कि नरेश मेहता के गद्य साहित्य पर अनुसंधान कार्य करना चाहिए।

नरेश मेहता के साहित्य पर संपन्न अनुसंधान कार्य –

1. नरेश मेहता के काव्य में मिथकीय चेतना – सुमित्रा अग्रवाल
2. नरेश मेहता का साहित्य : एक अनुशीलन – विद्या सिंह
3. नरेश मेहता का काव्य : विमर्ष और मूल्यांकन – प्रभाकर शर्मा
4. नरेश मेहता का काव्य : संवेदना और शिल्प – अमिचंद्र पटेल
5. नरेश मेहता के काव्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन – मोहन शिंदे (पुणे विश्वविद्यालय)
6. नरेश मेहता के गद्य साहित्य में चित्रित नारी – स्नेही विदुला (एस. एन. डी. टी. विश्वविद्यालय, मुंबई)
7. नरेश मेहता का काव्य संवेदना, शिल्प एवं महनीयता – विजयालक्ष्मी महेंद्र (दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर)

उपर्युक्त अनुसंधान कार्य देखने पर ज्ञात होता है कि नरेश मेहता के गद्य साहित्य पर पर्याप्त अनुसंधान नहीं हुआ है।

अनुसंधान कार्य के उद्देश्य

1. नरेश मेहता की गद्य कृतियों का स्वतंत्र रूप से विस्तारपूर्वक अध्ययन करना मूल हेतु है।
2. लेखक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विकास में सहायक परिवेश संबंधी जानकारी लेना।
3. रचनाकार की गद्य कृतियों की कथ्यगत विशेषताओं का विस्तार से अध्ययन प्रस्तुत करना।
4. नरेश मेहता द्वारा लिखित गद्य **साहित्य का तत्वों के आधार पर** अध्ययन करना।
5. लेखक द्वारा किए गए यात्रा वर्णन के पीछे की प्रेरणा और उद्देश्य से परिचित होना।
6. समकालीन गद्य साहित्यकारों में श्री नरेश मेहता के स्थान का निर्धारण।

उपरलिखित हेतुओं को आधार बनाकर अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से निम्न प्रकार से अध्याय विभाजन किया है–

''नरेश मेहता का गद्य साहित्य : एक अनुशीलन''

प्रथम अध्याय

नरेश मेहता के गद्य साहित्य की युगीन पृष्ठभूमि

1.1. भूमिका

1.1.1. सामाजिक परिस्थिति

1.1.2. सांस्कृतिक परिस्थिति

1.1.3. राजनीतिक परिस्थिति

1.1.4. धार्मिक परिस्थिति

1.1.5. आर्थिक परिस्थिति

द्वितीय अध्याय

नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

2.1 व्यक्तित्व

2.1.1. पारिवारिक पृष्ठभूमि

2.1.2. जन्म

2.1.3. शिक्षा, पुरस्कार, उपाधियाँ

2.1.4. साहित्यिक वातावरण

2.1.5. अभिरुचि, स्वभाव,

2.2. कृतित्व

2.2.1. उपन्यास साहित्य

2.2.1.1. दो एकांत

2.2.1.2. यह पथबंधु था

2.2.1.3. धूमकेतु : एक श्रुति

2.2.1.4. नदी यशस्वी है

2.2.1.5. प्रथम फाल्गुन

2.2.1.6. पुनः एक युधिष्ठर

2.2.1.7. उत्तरकथा भाग – 1

2.2.1.8. उत्तरकथा भाग – 2

2.2.1.9. डूबते मस्तूल

2.2.2. नाटक एवं एकांकी

2.2.2.1. सुबह के घंटे

2.2.2.2. खंडित यात्राएँ

2.2.2.3. सनोवर के फूल

2.2.2.4. पिछली रात की बरफ

2.2.3. कहानी संग्रह

2.2.3.1. तथापि

2.2.3.2. एक समर्पित महिला

2.2.3.3. जलसाघर

2.2.4. यात्रा वृत्तांत

2.2.4.1. राम पलाश के फूल सिया कचनार कली

2.2.4.2. कितना अकेला आकाश

2.2.5. फुटकल रचनाएँ

2.2.5.1. काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व

2.2.5.2. काव्यात्मकता का दिक्काल

2.2.5.3. वाग्देवी (संपादन)

2.2.6. काव्य संकलन

2.2.6.1. मुक्तक

2.2.6.1.1. दूसरा सप्तक

2.2.6.1.2. बनपाखी सुनो

2.2.6.1.3. बोलने दो चीड़ को

2.2.6.1.4. मेरा समर्पित एकांत

2.2.6.1.5. उत्सवा

2.2.6.1.6. तुम मेरा मौन हो

2.2.6.1.7. अरण्या

2.2.6.1.8. आखिर समुद्र से तात्पर्य

2.2.6.1.9. देखना एक दिन

2.2.6.1.10. पिछले दिनों नंगे पैरों

2.2.6.2. खंडकाव्य

2.2.6.2.1. संशय की एक रात

2.2.6.2.2. महाप्रस्थान

2.2.6.2.3. प्रवाद पर्व

2.2.6.2.4. शबरी

2.2.6.2.5. प्रार्थना पुरुष

तृतीय अध्याय

नरेश मेहता का गद्य साहित्य : कथ्यगत विशेषताएँ

3.1. भूमिका

3.1.1. सामाजिक स्वर

3.1.2. सांस्कृतिक तत्व

3.1.3. राजनीतिक प्रभाव

3.1.4. आदर्शवादी

3.1.5. यथार्थ चित्रण

3.1.6. आर्थिक तत्व

3.1.7. मनोवैज्ञानिकता

3.1.8. स्त्री–पुरुष संबंध

3.1.9. गाँधीवादी प्रभाव

3.1.10. प्रकृति चित्रण

3.1.11. देश प्रेम

3.1.12. आस्थावादी दृष्टिकोण

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय

नरेश मेहता की गद्य रचनाओं का तात्विक विवेचन

4.1 उपन्यासों का तात्विक विवेचन

4.1.1. नरेश मेहता के उपन्यासों का कथानक

4.1.2. पात्र तथा चरित्र–चित्रण

4.1.3. कथोपकथन

4.1.4 देशकाल वातावरण

4.1.5. भाषा

4.2. नाटक तथा एकांकी तात्विक विवेचन

4.2.1. नरेश मेहता के नाटक तथा एकांकी की कथावस्तु

4.2.2. पात्र तथा चरित्र–चित्रण

4.2.3. कथोपकथन

4.2.4 देशकाल वातावरण

4.2.5. भाषा

4.3. नरेश मेहता के कहानी साहित्य का तात्विक विवेचन

4.3.1. नरेश मेहता के कहानियों की कथावस्तु

4.3.2. पात्र तथा चरित्र–चित्रण

4.3.3. कथोपकथन

4.3.4 देशकाल वातावरण

4.3.5. भाषा

4.4. नरेश मेहता के अन्य साहित्य का तात्विक विवेचन

4.4.1. यात्रा वर्णन का विवेचन

4.4.2. फुटकल रचनाओं का विवेचन

पंचम अध्याय

नरेश मेहता के गद्य साहित्य की शैलीगत विशेषताएँ

5.1. वर्णनात्मक शैली

5.2. पत्रात्मक शैली

5.3. पूर्वदीप्ति शैली

5.4. काव्यात्मक शैली

5.5. सांकेतिक शैली

5.6. प्रतीकात्मक शैली

5.7. आत्मकथात्मक शैली

5.8. संलाप शैली

5.9. यथार्थ शैली

5.10 संबोधन शैली

षष्ठ अध्याय

समकालीन रचनाकारों में कवि गद्य लेखक एवं गद्य लेखक के रुप में नरेश मेहता का स्थान

6.1. समकालीन : अवधारणा और स्वरुप

6.2. नरेश मेहता के समकालीन प्रमुख कवि गद्य लेखक

6.3. नरेश मेहता के समकालीन प्रमुख गद्य लेखक

6.4. नरेश मेहता का कवि गद्य लेखक एवं गद्य लेखक के रुप में स्थान

उपसंहार

परिशिष्ट :

1. संदर्भ सूची
2. सहायक सूची
3. पत्र–पत्रिकाएँ
4. हिंदी एवं अंग्रेजी शब्दकोश सूची

शोध छात्र,
संतोष तानाजी धोत्रे

शोध निर्देशक,
डॉ. रजनी रणपिसे